DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 April, 2024

उच्चतम न्यायालय ने अनियमित मिट्टी उत्खनन पर रोक लगा दी

संदर्भ: *उच्चतम न्यायालय ने पर्यावरण मंत्रालय की तीन वर्षीय उस अधिसूचना को साल ही में निरस्त कर दिया है, जो रेखीय अवसंरचना परियोजनाओं, जैसे सड़क और रेलवे निर्माण के लिए साधारण मृदा के उत्खनन को पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) से छूट प्रदान करती थी।*

पृष्ठभूमि:

- मार्च 2020 में, पर्यावरण मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की थी, जिसने सड़क और पाइपलाइन जैसी रेखीय अवसंरचना परियोजनाओं के लिए साधारण मृदा के उत्खनन को पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) की आवश्यकता से मुक्त कर दिया था।
- इस छूट को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के समक्ष चुनौती दी गई, जिसने मंत्रालय को तीन महीने के भीतर इसकी समीक्षा करने का निर्देश दिया।
- चूंकि मंत्रालय ने कार्रवाई में देरी की, इसलिए यह मामला उच्चतम न्यायालय में पहुंचा, जिसने 21 मार्च, 2023 को उक्त अधिसूचना को "व्यापक" और "मनमाना" मानते हुए खारिज कर दिया।

छूट की प्रकृति:

- वर्ष 2020 की अधिसूचना में "सड़क, पाइपलाइन आदि जैसी रेखीय परियोजनाओं के लिए साधारण मृदा के उत्खनन या स्रोत को छूट प्राप्त गतिविधियों की सूची में जोड़ा गया था।
- केंद्र सरकार ने तर्क दिया कि यह छूट आम जनता की सहायता के लिए और राज्यों द्वारा चिन्हित विभिन्न गैर-खनन गतिविधियों के लिए आवश्यक थी।

उच्चतम न्यायालय का निर्णय:

- उच्चतम न्यायालय ने माना कि इस तरह की "पूरी तरह से बिना मार्गदर्शन वाली और व्यापक छूट" मनमानी थी और अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती थी।
- इसने परिभाषित सुरक्षा उपायों की कमी और सार्वजनिक सूचना से दूर रहने के औचित्य की आलोचना की।
- बाद की अधिसूचनाएं भी रेखीय परियोजनाओं की अवधारणा और पर्यावरण सुरक्षा उपायों से संबंधित समस्याओं को दूर करने में विफल रहीं।

पिछली न्यायिक जांच:

- **जुलाई 2015:** एनजीटी ने पूर्वव्यापी पर्यावरण स्वीकृति प्रदान करने वाले मंत्रालय के 2012 और 2013 के कार्यालय ज्ञापनों को रद्द कर दिया।
- **जनवरी 2018:** एनजीटी ने मंत्रालय की 20,000 वर्ग मीटर से अधिक के निर्माण परियोजनाओं के लिए 2016 की छूट को खारिज कर दिया।
- **जुलाई 2021:** मंत्रालय ने उल्लंघन के रूप में वर्गीकृत परियोजनाओं के लिए माफी अवधि को बढ़ा दिया; परिणामतः उच्चतम न्यायालय ने अगले वर्ष जनवरी में हस्तक्षेप किया।
- **6 मार्च 2023:** केरल हाईकोर्ट ने 20,000 वर्ग मीटर से अधिक के शैक्षणिक और औद्योगिक संरचनाओं के लिए 2014 की छूट को रद्द कर दिया।

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

- **प्रवर्तन:** 19 नवंबर, 1986 को सम्पूर्ण भारत में लागू हुआ।
- **उद्देश्य:**
  - यह अधिनियम पर्यावरण के संरक्षण और सुधार तथा उससे संबंधित विषयों का उपबंध करने के लिए अधिनियमित किया गया था।
- **विशेषताएं:**
  - यह अधिनियम केंद्र सरकार को पर्यावरण की गुणवत्ता बनाए रखने और सुधारने तथा पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए उपाय करने हेतु शक्तियां प्रदान करता है।
  - यह अधिनियम एक व्यापक अधिनियम है, जिसे जल अधिनियम और वायु अधिनियम जैसे पूर्ववर्ती अधिनियमों के तहत स्थापित विभिन्न केंद्रीय और राज्य प्राधिकरणों के क्रियाकलापों के लिए, केंद्र सरकार द्वारा समन्वय स्थापित करने हेतु अभिकल्पित किया गया है।

पारादीप पोर्ट ने कार्गो प्रबंधन में भारतीय प्रमुख बंदरगाहों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया

संदर्भ*: पारादीप पोर्ट प्राधिकरण (PPA) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 145.38 एमएमटी के कार्गो थ्रूपुट के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग उपलब्धि हासिल की, जो दीनदयाल पोर्ट, कांडला से आगे निकल गया।*

मुख्य विशेषताएं:

- पारादीप पोर्ट प्राधिकरण (पीपीए) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 145.38 एमएमटी के कार्गो थ्रूपुट के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग उपलब्धि हासिल की, जो दीनदयाल पोर्ट से आगे निकल गया।
- वर्ष-दर-वर्ष (YoY) आधार पर यातायात में 10.02 मिलियन मीट्रिक टन (7.4%) की वृद्धि दर्ज की गई।
- इसने अब तक के सबसे अधिक 59.19 मिलियन मीट्रिक टन के तटीय शिपिंग यातायात को प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.30% की वृद्धि है।
- तापीय कोयला तटीय शिपिंग 43.97 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.02% की वृद्धि दर्ज की है।

परिचालन सुधार:

- उत्पादकता में 6.33% की वृद्धि के साथ 33014 मीट्रिक टन सुधार हुआ।
- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 7.65% की वृद्धि के साथ 21,665 रेक प्रबंधन हुआ।
- पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 13.82% की वृद्धि के साथ 2710 जहाजों का प्रबंधन संभव हुआ।

प्रणालीगत सुधार के उपाय:

- यंत्रीकृत कोयला प्रबंधन प्लांट में उन्नत संचालन प्रणाली के परिणामस्वरूप एमसीएचपी में थर्मल कोयले का उच्चतम प्रबंधन देखा गया।
- 16 मीटर ड्राफ्ट केप वाहनों को संभालने के लिए उत्तरी डॉक की घोषणा की गई।
- कोयला प्रबंधन हेतु एक साथ 1 केप और 1 पनामेक्स का संचालन किया गया।

वित्तीय परिणाम:

- परिचालन राजस्व ₹2,300 करोड़ के पार पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 14.30% की वृद्धि दर्शाता है।
- परिचालन अधिशेष ₹1,510 करोड़ के पार पहुंच गया, जो 16.44% की वृद्धि दर्शाता है।
- कर पूर्व शुद्ध अधिशेष ₹1,570 करोड़ के पार पहुंच गया, जिसमें 21.26% की वृद्धि हुई।
- कर उपरांत शुद्ध अधिशेष में 20% की वृद्धि होकर ₹1,020 करोड़ हो गया।
- परिचालन अनुपात पिछले वर्ष के 37% से सुधार होकर 36% हो गया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **भविष्य की योजनाएँ और विकास:**

- वेस्टर्न डॉक परियोजना के चालू होने के साथ अगले 3 वर्षों में 300 मिलियन मीट्रिक टन क्षमता का आंकड़ा पार करने की ओर अग्रसर है।
- इसे वर्ष 2030 तक 100% मशीनीकृत करने की योजना है।
- कनेक्टिविटी में सुधार के लिए अपने परिसर के भीतर दो सड़क फ्लाईओवर चालू किया जाएगा।
- अधिक निवेश और यातायात आकर्षित करने के लिए विभिन्न उद्योगों को 769 एकड़ भूमि आवंटित की गई है।
- 2025 तक 10 लाख पेड़ लगाने और 10 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र विकसित करने का लक्ष्य तय किया गया है।
- आईआईटी, चेन्नई के सहयोग से नवीनतम पोत यातायात प्रबंधन सूचना प्रणाली के साथ अत्याधुनिक सिग्नल स्टेशन का विकास किया जाएगा।

क्रय प्रबंधकों का सूचकांक (PMI) सर्वेक्षण

संदर्भ: *मार्च माह के नवीनतम विनिर्माण क्षेत्र क्रय प्रबंधकों का सूचकांक (पीएमआई) सर्वेक्षण महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देता है, जो 16 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।*

- भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मार्च में उल्लेखनीय वृद्धि देखा गया, जिसमें अक्टूबर 2020 के बाद से नए ऑर्डर और उत्पादन दोनों का स्तर सबसे तेज गति से बढ़ा।
- निर्यात ऑर्डरों में भी मई 2022 के बाद से सबसे तेज गति से वृद्धि देखी गई, जबकि उत्पादकों ने दो महीने के ठहराव के बाद फिर से रोजगार सृजन आरम्भ कर दिया।
- उपभोक्ता, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुओं के क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि में तेजी आई, जिसमें पूंजीगत वस्तु निर्माताओं में सबसे अधिक तेजी देखी गई।
- सकारात्मक रुझानों के बावजूद, फर्मों के बीच भावनात्मक स्तर चार महीने के निचले स्तर पर आ गए, महंगाई के बारे में चिंताओं ने आत्मविश्वास के स्तर को कम कर दिया।

➢ **क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) क्या है?**

- पीएमआई विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में आर्थिक रुझानों की प्रचलित गतिविधि को इंगित करता है।
- यह सारांशित करता है कि क्या क्रय प्रबंधकों के दृष्टिकोण से बाजार की स्थितियाँ विस्तारित हो रही हैं, समान बनी हुई हैं, या सिकुड़ रही हैं।
- पीएमआई का उद्देश्य निर्णय निर्माताओं, विश्लेषकों और निवेशकों को वर्तमान और भविष्य की व्यावसायिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

➢ **पीएमआई का सूत्र और गणनाविधि:**

- पीएमआई = (पी1 * 1) + (पी2 * 0.5) + (पी3 * 0)
- P1 सुधार की रिपोर्ट करने वाले उत्तरों के प्रतिशत को दर्शाता है, P2 कोई परिवर्तन नहीं होने का प्रतिनिधित्व करता है, और P3 गिरावट का प्रतिनिधित्व करता है।

➢ **पीएमआई कैसे काम करता है:**

- यह आपूर्ति प्रबंधन संस्थान (आईएसएम) द्वारा मासिक रूप से संकलित एक सर्वेक्षण-आधारित संकेतक है।
- यह सर्वेक्षण 19 प्राथमिक उद्योगों में 400 से अधिक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाता है, जिसमें नए ऑर्डर, इन्वेंट्री स्तर, उत्पादन, आपूर्तिकर्ता डिलीवरी और रोजगार जैसे क्षेत्र शामिल होते हैं।
- 50 से ऊपर पीएमआई विस्तार को दर्शाता है, 50 से नीचे संकुचन को दर्शाता है, और 50 पर कोई बदलाव नहीं होने का संकेत देता है।

➢ **पीएमआई का उपयोग:**

- कॉर्पोरेट प्रबंधक उत्पादन, इन्वेंट्री प्रबंधन और स्टाफिंग सहित अपने व्यवसायों के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए पीएमआई परिणामों का उपयोग करते हैं।
- आपूर्तिकर्ता अपने उत्पादों की भविष्य की मांग का अनुमान लगाने, इन्वेंट्री का प्रबंधन करने और मूल्य निर्धारण रणनीतियों को निर्धारित करने के लिए पीएमआई का उपयोग करते हैं।
- समग्र अर्थव्यवस्था में विकासशील रुझानों की जानकारी हासिल करने के लिए निवेशक आर्थिक स्थितियों के एक प्रमुख संकेतक के रूप में पीएमआई का लाभ उठाते हैं।

➢ **वैश्विक पीएमआई:**

- ग्लोबल पीएमआई एक आर्थिक संकेतक है जो 40 से अधिक देशों में विनिर्माण और सेवा कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली से प्राप्त होता है।
- यह लगभग 28,000 वैश्विक कंपनियों से प्रतिक्रियाएँ एकत्र करता है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 89% प्रतिनिधित्व करती हैं।

➢ **उच्च पीएमआई रीडिंग की व्याख्या करना:**

- क्रय प्रबंधक सूचकांक 0 से 100 तक होता है।
- 50 से ऊपर की रीडिंग आर्थिक विस्तार का संकेत देती है, जबकि अधिक रीडिंग अधिक वृद्धि का संकेत देती है।
- 50 से नीचे की रीडिंग आर्थिक संकुचन का संकेत देती है, जबकि कम रीडिंग अधिक गंभीर संकुचन का संकेत देती है।
- 50 की रीडिंग आर्थिक माहौल में कोई बदलाव नहीं होने का संकेत देती है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 April, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण

हाल ही में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने अपने प्लेटफार्मों पर बेचे जाने वाले खाद्य उत्पादों के वर्गीकरण के संबंध में ई-कॉमर्स खाद्य व्यापार संचालकों के लिए एक निर्देश जारी किया है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के बारे में:

- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन स्थापित एक सांविधिक निकाय है।
- इसकी स्थापना 5 सितंबर 2008 को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत की गई थी।
- यह भारत में खाद्य सुरक्षा और मानकों को विनियमित और उनकी निगरानी करने वाली शीर्ष संस्था के रूप में कार्य करता है।
- इसके विनियमों का उद्देश्य खाद्य जनित रोगों को रोकना और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देना है।
- इसके गठन में एक अध्यक्ष और खाद्य उद्योग, उपभोक्ता संगठनों और खाद्य वैज्ञानिकों सहित विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले 22 सदस्य शामिल हैं।
- FSSAI स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने और खाद्य अपव्यय को कम करने के लिए ईट राइट इंडिया आंदोलन जैसी विभिन्न पहलें करता है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

बीएसएफ प्रहरी 2.0 ऐप

केंद्रीय गृह सचिव ने नई दिल्ली में अश्विनी बीएसएफ ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में एक कला और शिल्प प्रदर्शनी में बीएसएफ प्रहरी 2.0 ऐप का उद्घाटन किया।

बीएसएफ प्रहरी 2.0 ऐप के बारे में:

- बीएसएफ प्रहरी 2.0 ऐप बीएसएफ प्रहरी ऐप का उन्नत संस्करण है जिसे बीएसएफ कर्मियों की सेवा के लिए बीएसएफ आईटी विंग द्वारा विकसित किया गया है।
- यह ऐप सीमा प्रहरियों (बीएसएफ कर्मियों) के लिए विभिन्न आवश्यक सेवा-संबंधित मामलों तक 24/7 पहुंच प्रदान करता है।

साइबर दासता

हाल ही में, यह रिपोर्ट सामने आई है कि कंबोडिया में 5,000 से अधिक भारतीय साइबर दासता के शिकार हैं जिसने गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा पीड़ितों को छुड़ाने की रणनीति तैयार करने पर चर्चा को जन्म दिया है।

साइबर दासता के बारे में:

- साइबर दासता का तात्पर्य डिजिटल माध्यमों से व्यक्तियों के शोषण से है जहां पीड़ितों को धमकियों, धोखे या दबाव के तहत विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है।
- साइबर दासता के शिकार लोगों को फ़िशिंग घोटालों, पहचान की चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी या अन्य प्रकार के साइबर अपराध करने के लिए मजबूर किया जा सकता है।
- उन्हें बाल शोषण सामग्री या प्रचार सहित अवैध डिजिटल सामग्री बनाने या वितरित करने के लिए भी मजबूर किया जा सकता है।
- पीड़ितों को अक्सर धोखाधड़ी के माध्यम से भर्ती किया जाता है या तस्करी की जाती है, वैध नौकरी के अवसरों या आर्थिक लाभ का वादा किया जाता है, लेकिन एक बार अपराधियों के नियंत्रण में आने के बाद शोषित परिस्थितियों में फंस जाते हैं।
- साइबर दासता के शिकार गंभीर शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक आघात सहते हैं।

टोर्नाडो

हाल ही में, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुरी क्षेत्र में एक भयानक बवंडर (टोर्नाडो) ने तबाही मचाई।

टोर्नाडो के बारे में:

- टोर्नाडो हवा का एक भयानक रूप से घूमता बवंडर होता है, जो गरज के साथ आने वाले तूफानों से जमीन तक फैला होता है।
- यह गर्म, नम हवा के शुष्क, ठंडी हवा से टकराने के कारण बनता है, जो निम्न-दाब प्रणाली जैसे गर्त की उपस्थिति में होता है।
- इसमें 105 से 322 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाएं होती है और स्थिर हो सकता है या लगभग 97 किमी/घंटे की गति से चल सकता है।
- भारत में बंगाल की खाड़ी और भूमि के गर्म होने के साथ-साथ असामान्य हवा के पैटर्न के कारण टोर्नाडो की घटनाओं में वृद्धि हो रही है।
- टोर्नाडो की निगरानी प्रायः संयुक्त राज्य अमेरिका, अर्जेंटीना और बांग्लादेश जैसे देशों में की जाती है।
- भारत में, कोई आधिकारिक बवंडर निगरानी प्रणाली नहीं है, हालांकि आईएमडी प्रेस विज्ञप्तियों में बवंडर को दर्ज करता है।
- गर्म समुद्र का तापमान, गर्म भूमि और असामान्य हवा के पैटर्न भारत में टोर्नाडो के निर्माण में योगदान करते हैं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

3 April, 2024

सुर्खियों में व्यक्तित्व

राकेश शर्मा

हाल ही में, भारतीय वायु सेना ने 40 साल पहले आज ही के दिन अंतरिक्ष में जाने वाले एकमात्र भारतीय विंग कमांडर राकेश शर्मा को उनकी अंतरिक्ष यात्रा की सालगिरह पर श्रद्धांजलि दी।

राकेश शर्मा:

भारतीय वायु सेना के पूर्व पायलट और विंग कमांडर राकेश शर्मा का जन्म 13 जनवरी 1949 को वर्तमान पंजाब के पटियाला में हुआ था।

योगदान:

- राकेश शर्मा 3 अप्रैल, 1984 को बाहरी अंतरिक्ष में पहुंचने वाले पहले भारतीय नागरिक बने, जब उन्होंने कजाख सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक में बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से लॉन्च किए गए सोवियत रॉकेट सोयुज टी-11 में उड़ान भरी।
- भारतीय वायु सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद, राकेश शर्मा ने एक पायलट के रूप में अपने कौशल का उपयोग भारतीय सिविल सेवाओं, विशेष रूप से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में किया, जहां उन्होंने सेवानिवृत्ति तक सेवा की।
- उन्होंने अंतरिक्ष में 7 दिन, 21 घंटे और 40 मिनट बिताए और भारत को बाहरी अंतरिक्ष की यात्रा करने वाला 14वां देश बना दिया।

पुरस्कार एवं सम्मान:

- अंतरिक्ष से लौटने पर राकेश शर्मा को सोवियत संघ के हीरो के सम्मान से सम्मानित किया गया था और वह आज तक एकमात्र भारतीय हैं जिन्हें यह सम्मान दिया गया है।
- भारत ने राकेश शर्मा को अपने सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार, अशोक चक्र से भी सम्मानित किया।

नैतिक मूल्य: ईमानदारी, करुणा, साहस, आदि।

सुर्खियों में स्थल

ताइवान

संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, 3 अप्रैल, 2023 के शुरुआती घंटों में ताइवान में 7.4 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया, जिसके बाद जापान को ओकिनावा और अन्य रयूकू द्वीपों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी।

ताइवान (राजधानी: ताइपे)

अवस्थिति : ताइवान, आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य, पूर्वी एशिया में पूर्व और दक्षिण चीन सागर के जंक्शन पर स्थित एक देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: इसकी सीमाएँ पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना (पीआरसी), जापान और फिलीपींस के साथ साझा होती हैं।

तटीय सीमाएँ: यह फिलीपीन सागर (पूर्व), पूर्वी चीन सागर (उत्तर), लूज़ॉन जलडमरूमध्य (दक्षिण) और दक्षिण चीन सागर (दक्षिण पश्चिम) सहित जल निकायों से घिरा हुआ है।

भौतिक विशेषताएं:

- ताइवान का सबसे ऊँचा स्थान यू शान है, जिसे जेड माउंटेन के नाम से भी जाना जाता है।
- ताइवान की प्रमुख नदियों में ज़ुओशुई, तमसुई, गाओपिंग, एगोंगडियन और ज़िंडियन नदियाँ शामिल हैं।
- ताइवान के पास सीमित खनिज संसाधन हैं, जिसमें कोयला, प्राकृतिक गैस, चूना पत्थर, संगमरमर के कुछ भंडार और सोना, तांबा और लौह अयस्क के छोटे भंडार हैं।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में विश्व के पहले ओम आकार के मंदिर का उद्घाटन कहाँ किया गया? – **राजस्थान**
- टैंटलम, एक दुर्लभ धातु है जिसे हाल ही में किस नदी में खोजी गई ? – **सतलुज**
- हाल ही में समाचारों में देखे गए 'सिकाडास' क्या हैं? – **ध्वनि उत्पन्न करने वाले कीड़े**
- हाल ही में किस संगठन ने कोरोना वायरस के लिए नया नेटवर्क CoViNet लॉन्च किया है? – **विश्व स्वास्थ्य संगठन**
- हाल ही में किस अंतरिक्ष कंपनी ने इसरो के प्रणोदन परीक्षण स्थल पर 'कलाम-250' का सफल परीक्षण किया है? – **स्काईरूट एयरोस्पेस**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com